मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक

दिसम्बर - 2020

वर्ष ४, अंक ९, पृ.सं. 20

सर्दियों की कुनकुनी धूप में अठखेलियाँ करती आनन्द वृद्धाश्रमवासी सहेलियाँ

नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''
के निर्माण हेतु योगदान योजना

जब किसी काम को करने में बहुत से हाथ जुड़ जाते हैं तो वो काम आसान तो होता ही है साथ में पवित्र भी हो जाता है। एक पावन कार्य के स्वरूप में तारा संस्थान **''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''** का निर्माण करने जा रहा है और इसमें आप सबका सहयोग भी मिले तो बेहद खुशी होगी। आपके दान को स्मृति स्वरूप भवन पर आपके नाम या आपकी इच्छानुसार किन्हीं परिजनों के नाम के रूप में अंकित किया जाएगा। आशा है कि छोटी सी ही सही एक आहूति आपकी भी इस भवन के लिए होगी।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि''	रु. 1,00,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण''	रु. 51,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह''	रु. 21,000/-

जीवन में बहुत सी महत्त्वपूर्ण चीजों को हम तब पहचानते हैं, जब उन्हें खो देते हैं।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री ओ.सी. जैन
समाजसेवी, रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुक्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' के निर्माण हेतु योगदान योजना	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 ''एक लड़ाई कोरोना से''	04-05
पावन स्मृति में / एक शुभचिंतक	06
आनन्द वृद्धाश्रम में मेलजोल के दृश्य	07
दीपावली की तैयारियाँ	08
राजकीय वृद्धाश्रम, उदयपुर	09
ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट	10
तारा नेत्रालय	11-12
गौरी योजना/तृप्ति योजना	13
हमारे संरक्षक / दानदाता	14
न्यूज ब्रीफ /	15
भारत में वृद्ध आबादी की वर्तमान स्थिति	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स	17
धन्यवाद / हार्दिक श्रद्धांजलि	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

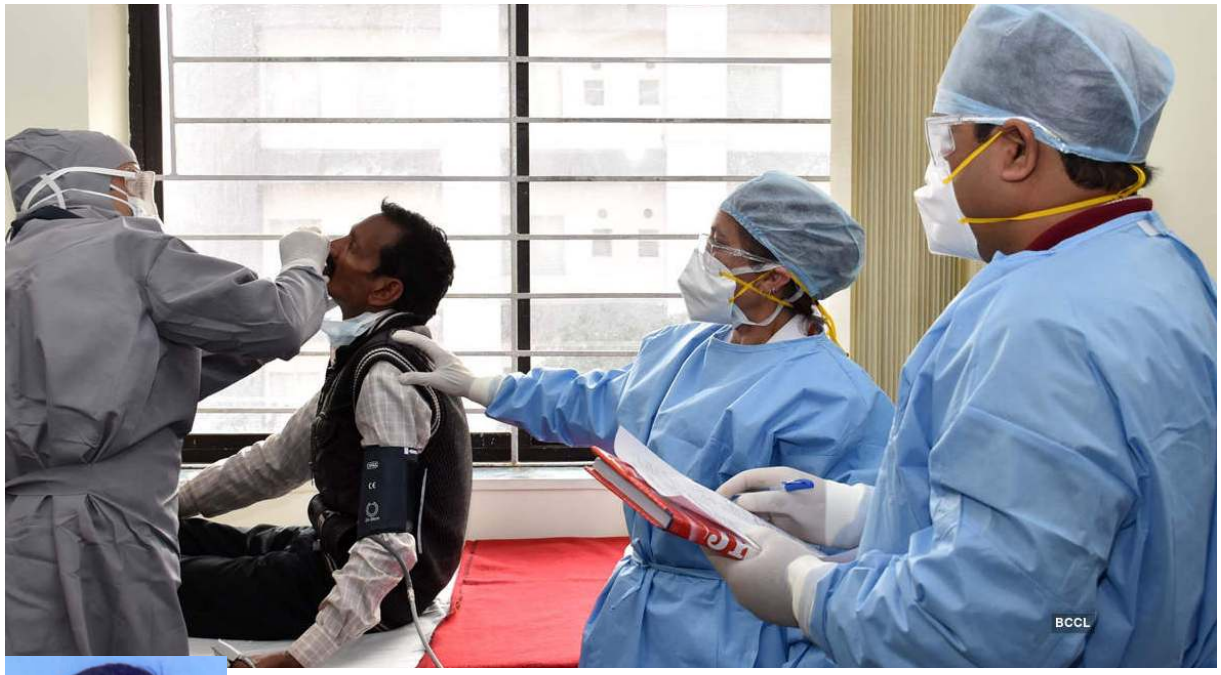

तारा संस्थान के कोरोना योद्धा नर्सिंग स्टाफ श्री गोविन्द पाण्डोर

"एक लड़ाई कोरोना से"

जब ये लेख लिखने बैठा हूँ तो आज से एक हफ्ता पहले मेरी मम्मी को बेहद कमजोरी महसूस हुई थी हल्का बुखार भी था। हम उदयपुर के एक मेडिकल कॉलेज की Emergency में ले गए वहाँ उनका सी.टी. स्केन हुआ फेफड़े साफ थे तो कोरोना की संभावना नहीं थी। डॉक्टर ने घर भेज दिया और कुछ खून की जाँचें लिखी साथ ही कोरोना की जाँच भी। अगले दिन शाम तक खून की जाँच की रिपोर्ट आ गई लेकिन कोरोना की रिपोर्ट एक दिन बाद आनी थी तो उनकी हालत को देखते हुए उन्हें कोरोना संभावित रोगियों वाले कक्ष में रख दिया। हम खुशकिस्मत थे कि मेरी भांजी डॉक्टर है और वो मम्मी के साथ रात में रह गई वरना कोरोना संभावित वार्ड में अकेली माँ जो कि बेहद कमजोर हो गई थी, कैसे रहेगी, ये घबराने वाला था। कोरोना की रिपोर्ट जब तक आई तब तक वो दो दिन हमारे ऐसे निकले मानो किसी ने बहुत बोझ रख दिया हो। रिपोर्ट नेगेटिव आई और कुछ समय आई.सी.यू. और वार्ड में रहकर कल माँ घर आ गई और अभी सुधार है।

इस कोरोना का डर कैसा होता है ये बहुत नजदीक से हमने महसूस किया है किसी अपने को खोने का भय भले ही उनकी उम्र कुछ भी हो सिंहरन करा देती है। तारा संस्थान में तो हमारे 150 बुजुर्ग हैं, ईमानदारी से कहें तो माता–पिता जितना तो नहीं लेकिन किसी भी एक बुजुर्ग के जाने की तकलीफ तो होती ही है। शायद वृद्धाश्रम संचालन की सबसे बड़ी पीड़ा ही यह है कि इसमें हर थोड़े समय में कोई अपना जा रहा होता है। मृत्यु शास्वत सत्य है ये सारे ज्ञान भी बेमानी लगते हैं जब अपना कोई जा रहा हो तो।

कोरोना जब पूरे विश्व में हैं तो हम भी अछूते कैसे रहते। तारा संस्थान ने भी कोरोना को बेहद नजदीक से देखा और जब वो आया तो थोड़ा नुकसान भी कर गया। बात शुरू करें मार्च 2020 से, हमारे प्रधानमंत्री जी ने जब लॉकडाउन घोषित किया उसके पहले से ही हमने वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को बचाव का सामान्य व्यवहार बताना शुरू कर दिया था। लॉकडाउन के समय वृद्धाश्रम भवन के मुख्यद्वार पर ताला लगा दिया ताकि बुजुर्ग इधर–उधर ना जायें, केवल खाने वाली और सफाई वाली बाइयाँ बाहर से आती थीं। फरीदाबाद और प्रयागराज के वृद्धाश्रमों में तो खाना बनाने वाले और सफाई वाले वहीं रहते हैं सो वहाँ खतरा कम था। बाइयों के हाथ सेनेटाइज करवाकर ही प्रवेश दिया जाता था। धीरे–धीरे लॉकडाउन खुलने लगा और हमारे बुजुर्ग भी थोड़ा–थोड़ा निकलने लगे लेकिन फिर भी बार–बार हम उन्हें हिदायत देते कभी प्यार से, कभी उनके बड़े बनकर कि अपना और दूसरों का बचाव करें, कभी तो नीति के तहत मैं उनमें थोड़ा डर भी पैदा करता कि वो घूमने फिरने में संयम बरतेंगे। जो दानदाता खाना खिलाने आते उन्हें भी मना किया कि उनसे भी किसी को कोरोना ना हो जाए हालांकि इसके आर्थिक नुकसान भी हो सकते थे पर सबको बचाना हमारी जिम्मेदारी थी।

तारा संस्थान के संचालकों के रूप में ये परीक्षा का वर्ष है कि हम कैसे इस बात का बैलेंस बना कर चलें कि कोई नुकसान ना हो। साथ ही बुजुर्गों को ये भी ना लगे कि वे कैद हो गए और साथ ही दानदाताओं को भी जोड़कर रखा जा सके। हमने एक Strategy बनाई कि कोई भी नया बुजुर्ग रहने आए तो उनको 7 से 10 दिन Isolate रखा जाता, कोई बुजुर्ग घर जाकर आते तो भी उन्हें अलग

अपनी गलती तुरन्त स्वीकार करने वाले व्यक्ति सद्गुणी होते हैं।

कमरे या कुछ को तो अलग भवन में रखते, उनका कोरोना टेस्ट करवा कर ही उन्हें वृद्धाश्रम में भेजते। एक दो बुजुर्ग बीमार होकर अस्पताल भर्ती हुए तो उन्हें भी वापस आने पर 10 दिन के लिए अलग रखा जाता, उनका खाना–पीना सभी उस कमरे में पहुँचाया जाता। किन्हीं को भी हल्का बुखार या खाँसी हो तो उन्हें खाना खाने हॉल में नहीं बुलाते उनके बेड पर ही खाना देते। मार्च के बाद से वृद्धाश्रम में पहली मृत्यु जुलाई में जयपुर निवासी चित्रा जी की हुई, उनको कोरोना नहीं था। लेकिन मन में ये डर था कि कोरोना यदि आ गया तो क्या होगा क्योंकि कोरोना बढ़ता ही जा रहा था। कई न्यूज़ चैनल में सुना था कि इंग्लैण्ड में वृद्धाश्रमों में कोरोना हुआ तो वहाँ 40 से 50 प्रतिशत बुजुर्गों की मृत्यु हो गई। डर के बावजूद ये संतोष था कि हम अपना बेस्ट कर रहे हैं कि कोरोना ना आए।

स्व. श्री जुगल किशोर जी

अक्टूबर की पहली तारीख को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस था और मैंने तब भी सभी बुजुर्गों को थोड़ा समझाया थोड़ा डराया कि सावधान रहें। एक दो बुजुर्ग इस जिद में भी थे कि जो होना हो हो जायें पर हम मंदिर या किसी अन्य कार्य में तो जायेंगे। उन्हें भी कहा कि थोड़े समय रुक जाइये। 4 अक्टूबर सुबह मेरे पास उदयपुर के ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम'' के प्रबंधक राजेश जी जैन का फोन आया कि आश्रम में 15–20 बुजुर्गों को खाँसी जुखाम है और एक दो को बुखार भी है। कोरोना जाँच हुई और जो डर था वो हुआ, लगभग 20–25 बुजुर्गों के टेस्ट हुए और उनमें से 5 पॉसिटिव आए। अगले दिन बचे हुए सभी बुजुर्गों का टेस्ट हुआ और उनमें 17 पॉजिटिव आए। कठिन समय में ईश्वर थोड़ी शक्ति दे देता है और हमने धीरज रखा बिना Panic हुए जिनको ज्यादा समस्या नहीं थी उन्हें एक फ्लोर के कुछ कमरों में शिफ्ट किया। हर कमरे में Pulse Oximeter दिया ताकि वे लोग Oxygen Level नाप सकें और भाप लेने के लिए Steamer भी हर कमरे में दिया, साथ ही जो भी दवाइयाँ थीं वो सबको दे दी गई। 9 बुजुर्ग जिनको ज्यादा समस्या थी उन्हें चिकित्सा विभाग उदयपुर के ESI अस्पताल ले गये जिसे जिले का कोविड अस्पताल बना रखा है।

स्व. श्री दिगम्बर जी जैन

वृद्धाश्रम प्रबंधक राजेश जी रोज दिन में दो बार बुजुर्गों के हाल चाल फोन पर पूछते। वृद्धाश्रम में पॉजिटिव बुजुर्गों को उनके कमरे में ही भोजन पहुँचाने के लिए एक ट्राली की व्यवस्था की और एक कार्यकर्त्ता दिनेश की ड्यूटी सिर्फ उनके लिए लगाई की उन्हें भोजन नाश्ता पहुँचाए। वृद्धाश्रम में उल्लेखनीय सेवा तारा के मेल नर्स गोविन्द पाण्डोर जी ने दी जिन्होंने बिना घबराएँ इन सभी बुजुर्गों की जाँच, दवाइयों और उपचार में पूरा पूरा योगदान दिया। ऐसी स्थिति जब आप एक साथ 13–14 कोरोना मरीजों के इलाज में योगदान दे रहे हों तो बिना ना नुकुर किए 24 घंटे काम करते जाना निश्चित ही सराहनीय था। मैं और कल्पना जी भी 3 दिन तक रोज 2–3 घंटे उसी भवन में जाकर बैठते थे और रोज रिव्यू करते रहे जब तक स्थितियाँ कंट्रोल में नहीं आई।

ESI हॉस्पीटल से जानकारी के लिए अलग टीम बनाई ताकि हमें रोज जानकारी रह सके वहाँ के बुजुर्गों की। ये जो कोरोना तारा के वृद्धाश्रम में आया वह एक तूफान की तरह था और जब तूफान थमा तो साथ में दो जिन्दगियाँ ले गया; 86 वर्षीय श्री दिगम्बर जी जैन महाराष्ट्र के, दूसरे लगभग 65 वर्षीय श्री जुगल किशोर जी मित्तल वो भी महाराष्ट्र के। दिगम्बर जी तो पहले से काफी बीमार थे लेकिन मित्तल जी एकदम स्वस्थ थे बस जब उन्हें पता लगा कि उन्हें कोरोना हो गया तो वे घबरा गए और उस घबराहट में एक दो दिन उन्होंने खाना छोड़ दिया इससे उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। गुजरात निवासी श्री महेन्द्र भाई ठक्कर लगभग एक महीना ESI अस्पताल में रहे और वहाँ के डॉक्टर्स ने उन्हें बचा लिया।

परिवार में किसी का भी जाना दुःखद होता है ऐसा ही हमें भी लगा, कुछ दिनों तक तो धड़कने बढ़ी रही कि ये महामारी हमारे परिवार में तबाही ना ला दें लेकिन ईश्वर ने लाज रख ली वरना ज्यादा नुकसान हो जाता तो ना जाने हम कितने दिनों तक दुःख से उबर ना पाते।

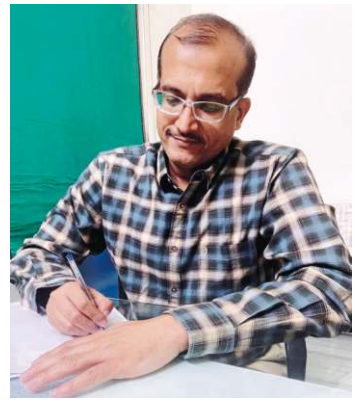

जिन्दगी चलने का नाम है सो तूफान के बाद फिर चलने लगी जिन्दगी, लेकिन जब भी ये सोचते हैं कि वो डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ जो इन मरीजों की देखरेख कर रहे हैं वो तो वाकई देवदूत हैं जो अपनी जान की परवाह किए बिना इस बीमारी से लड़ रहे हैं। ऐसे ही कुछ देवदूत उदयपुर के ESI अस्पताल में भी थे जिन्होंने हमारे इन बुजुर्गों को बचाया जिन्हें वो जानते भी नहीं थे। धन्यवाद शब्द बहुत ही छोटा है उन सबके लिए।

अगले महीने Vaccine की उम्मीद है और फिर सब सामान्य होगा ऐसा लगता है लेकिन न जाने कितनों के अपने बेवजह इस तूफान में चले गए और बहुत से सफेद कोट पहने देवदूत भी अपने कर्तव्य को निभाते चले गए हम तो बस नतमस्तक हैं उनके आगे।

ईश्वर ऐसी विपदा कभी ना लाए यही प्रार्थना है। आप भी अपना ख्याल रखिए, Vaccination के बाद हम एक कार्यक्रम रखेंगे और आपको उसमें आना ही होगा।

आदर सहित....!

– दीपेश मित्तल

(स्व.) श्री राजारामजी गुप्ता की पावन स्मृति में ग्रामीण अंचल में गरीब आदिवासियों के लिए कम्बल व राशन सामग्री

तारा संस्थान के दानदाता न सिर्फ नकद से समाज के वंचित वर्गों की सहायता करते हैं बल्कि अन्य रूप से भी मदद भेजते रहते है जैसे कपड़े –लत्ते, भोजन सामग्री, दवाइयाँ और दैनिक कार्यों में इस्तेमाल की अन्य वस्तुएँ। चूँकि आजकल सर्दियों का मौसम चल रहा है तो दानदाता विशेष रूप से इस समय आने वाली वस्तुएँ जैसे स्वेटर, कम्बल आदि दान कर रहें। तो इसी प्रकार से एक दानदात्री श्रीमती राममूर्ति गुप्ता ने अपने स्वर्गीय पति श्री राजारामजी गुप्ता की पावन स्मृति में ग्रामीण अंचल के गरीब आदिवासियों के लिए कम्बल व राशन सामग्री सौजन्य की।

आनन्द वृद्धाश्रमवासियों के लिए एक शुभचिंतक श्रीमती मंजू सराफ का तोहफा

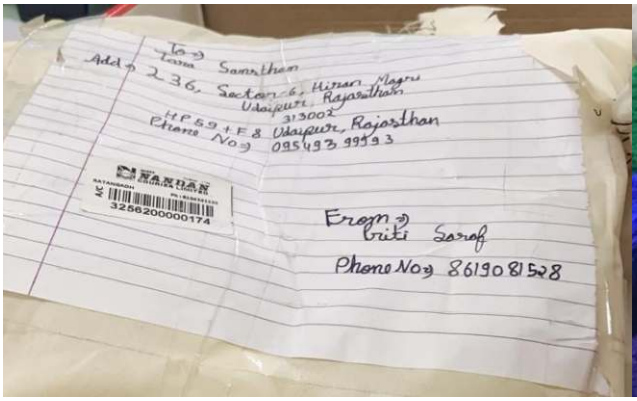

हमारे दानदाता एवं शुभचिंतक तारा संस्थान के समस्त प्रकल्पों में विभिन्न प्रकार से सहयोग करते है। ऐसी ही एक शुभचिंतक द्वारा वृद्धाश्रमों के बुजुर्गों हेतु ऊनी दास्तानें, टोपियाँ व स्वेटर स्वयं अपने हाथों से बनाकर भिजवाए (देखिए चित्र में) यह भाव इस बात की तरफ इशारा करता है कि वे संस्थान के द्वारा सम्भाले गए बुजुर्गों एवं स्वयं इस संस्थान के साथ कितना जुड़ाव महसूस करते हैं।

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

आनन्द वृद्धाश्रमों में मेलजोल के दृश्य

तारा संस्थान के उदयपुर के अतिरिक्त फरीदाबाद इलाहाबाद में भी वृद्धाश्रम स्थापित है। एक नवीन वृद्धाश्रम उदयपुर में निर्माणाधीन भी है। इन सभी चलायमान वृद्धाश्रम में देशभर के अनेक भागों से महिला पुरुष प्रवेश लेकर रह रहे हैं। ये लोग विभिन्न संप्रदाय और राज्य और भाषा बोलने वाले हो सकते हैं लेकिन वृद्धाश्रम में यह बहुत ही हिल मिलकर रहते हैं एक दूसरे के काम में सहयोग करते हैं खाना बनाने के में सहयोग, किसी के लिए कुछ सिलाई करना, बीमारी के दौरान किसी के साथ अस्पताल जाकर उसकी देखभाल करना आदि। इसके अतिरिक्त यह लोग त्योहार आदि पर बड़े धूमधाम से सारे पर्व मनाते हैं मंदिर में भजनों का गायन होता है कोई नृत्य कर लेता है कोई ढोलक बजा लेता है सब लोग अपनी अपनी इच्छा अनुसार भाग लेते हैं और यहां चित्रों में देखिए सर्दी की गुनगुनी धूप में किस प्रकार ये सहेलियां श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम की छत पर अठखेलियां कर रही हैं।

ऐसी कौनसी तस्वीर हैं जिसने आपको बेचैन किया या झकझोर दिया ?

आपको तस्वीर में दिख रहे एकदम आम वस्त्र धारण किए हुए एक छोटे से पेपर के टुकड़े पर कुछ लिखते हुए एक व्यक्ति नजर आ रहे हैं आइए आपका उनसे परिचय कराते हैं यह है कर्नाटक के मडुआ जिले के डॉक्टर शंकर गौड़ा एमबीबीएस, एमडी।

इनके पास अपना चेंबर नहीं है यह बताते हैं कि चेंबर बनाने में 3 से 4 लाख लगेंगे जो उनके पास नहीं है। इनका अपना घर इनके शहर से कुछ दूर गाँव में है जहाँ छोटे–छोटे दो कमरे हैं यह बताते हैं कि मेरे मरीज इतनी दूर कैसे आएंगे इसलिए मैं खुद सवेरे 8:00 बजे शहर पहुँचकर एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट की दीवार पर बैठकर गरीब मरीजों को देखता हूँ।

रोजाना इनके पास लगभग 100 से ऊपर मरीज आते हैं जिनकी यह हर प्रकार की जाँच करते हैं और इनको सस्ती जेनेरिक दवाइयाँ लिखते हैं जिससे मरीजों के ऊपर आर्थिक बोझ ना पड़े।

सबसे मजेदार बात इन डॉक्टर साहब की यह है कि यह मरीजों से केवल रु. 5 फीस लेते हैं जी हाँ, सही पढ़ा आपने, केवल रु. 5 आज के इस आधुनिक युग में एक एमबीबीएस, एमडी डॉक्टर रु. 5 मात्र अपनी फीस ले वाकई उनका यह कृत्य एवं सेवा भाव को नमन योग्य है।

दीपावली की तैयारियाँ करती श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम महिलाएँ

आरती पूजन करती कुछ महिलाएँ

हर वर्ष की भांति तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में समस्त वासियों ने दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। हालांकि कोरोना प्रकोप के कारण जोश की थोड़ी कमी नजर आई फिर भी आवश्यक सावधानियाँ रखते हुए समस्त बुजुर्गों ने किसी प्रकार की कमी नहीं रखी। देखिए बीते माह दीपावली उत्सव के कुछ चित्र।

दीपक जलाने की तैयारी

सुन्दर रंगोली बनाते हुए बुजुर्ग

अच्छी पुस्तकों से बढ़कर कोई दूसरा मित्र नहीं।

राजकीय वृद्धाश्रम, उदयपुर के नए आवासी :

वृद्धाश्रम की व्यवस्थाएँ ए-क्लास है : श्री दीपक शर्मा

लगभग 63 वर्षीय नाथद्वारा (राजसमन्द) निवासी श्री दीपक शर्मा जी अपनी पत्नी से तलाकशुदा है एवं अपनी माता जी व भाई के साथ रह रहे थे। उनके एक पुत्र है जो कि कोटा में इंजीनियरिंग की कोचिंग ले रहा है। दीपक जी का जीवन बड़ा उतार–चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने पहले पहल एक फैक्ट्री में नौकरी की। तत्पश्चात् फोरेस्ट डिपार्टमेंट में कोटा में सरकारी नौकरी लग गई लेकिन किसी कारणवश फोरेस्ट डिपो सन् 1985–1986 में बंद हो गया तो वे कुछ समय तक बेरोजगार रहे फिर बमुश्किल स्टेट बैंक में नौकरी की। अब रिटायर है और घर पर बैठे–बैठे उनका मन नहीं लग रहा था तो सोचा कुछ अपने हमउम्र जैसे लोगों के साथ रहने की कुछ व्यवस्था ढूंढी जाएँ। इस पर उनके भाई ने गूगल किया और उदयपुर में आनन्द वृद्धाश्रम की अच्छी रेटिंग व टिप्पणियाँ देख कर उन्होंने वृद्धाश्रम संचालक तारा संस्थान से सम्पर्क साधा। इस प्रकार इसी वर्ष दीपक जी उदयपुर बुला लिए गए एवं वर्तमान में राजकीय वृद्धाश्रम बलीचा में बड़े आनन्द के साथ अपने अन्य वृद्ध साथियों के साथ रह रहे हैं। वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं को श्री दीपक शर्मा 'ए' क्लास बताते हैं एवं कहते हैं कि दानदाता जो पुण्य कर रहे हैं उसे देख कर उन्हें बहुत खुशी होती है। वे बहुत तरक्की करें एवं उनकी समृद्धि दिन इनी रात चौगुनी बढ़े, यही दुआ है उनकी।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

तारा संस्थान उदयपुर के नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट

दिनांक 11 जून, 2020 को भूमि पूजन के साथ ही प्रस्तावित नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम के निर्माण में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है सर्वप्रथम भूमि पूजन उसके पश्चात् नींव डालना और इसी प्रकार पिलर, छत भराई आदि के कार्य तेजी से प्रगति पर हैं नीचे के फोटो में देखिए कि अब तक इस भवन के निर्माण में कितनी प्रगति हुई है।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

वृद्धजन सहयोगी "शांति" रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति" रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था" रु. 21,000/-

(आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।)

तारा नेत्रालयों में सर्दी के मौसम में मरीजों की भीड़ एवं कोरोना एहतियात व्यवस्था

ओ.पी.डी. पर कोरोना संबंधी सावधानियाँ

जैसा कि आपको विदित होगा तारा संस्थान द्वारा संचालित तारा नेत्रालय, उदयपुर के अतिरिक्त दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) में भी संचालित हैं। ये समस्त सेवाएँ गरीब व जरूरतमंद लोगों के लिए पूर्णता निःशुल्क हैं क्योंकि इन सेवाओं में अनेक भामाशाह दान सहयोग देते हैं। सभी तारा नेत्रालय कोरोना संकट के शुरुआती दिनों में बंद करने पड़े थे लेकिन अब सारे नेत्रालय सुचारू रूप से जरूरतमंद लोगों को आवश्यक नेत्र चिकित्सा व निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन प्रदान कर रहे हैं। इन नेत्रालयों में किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। अब चूंकि कोरोना संकट सर्दी के आगमन पर कुछ ज्यादा ही गहरा गया है और ऊपर से सर्दी के दिनों में नेत्रालयों में ऑपरेशन करने वाले ग्रामीण मजदूरों की रेलम पेल बनी रहती है तो एहतियात के तौर पर सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क अनिवार्य होने के साथ–साथ मरीजों को हाथ धोकर व सैनिटाइज करके ही उन्हें प्रवेश दिया जा रहा है। मरीजों के साथ यदि अति आवश्यक हो तो एक अटेंडेण्ट को प्रवेश दिया जाता है अन्यथा सभी लोगों को बाहर सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क के साथ बिठाने की व्यवस्था है। जिन लोगों को नेत्रालय में प्रवेश किया गया होता है उन्हें भी समस्त कोरोना प्रोटोकॉल की पालना करवाई जाती है, जैसा कि आप इन चित्रों में देख सकते हैं।

मरीजों के अटेण्डेंट्स हेतु बाहर सुरक्षित व्यवस्था

तारा नेत्रालय :

: आनन्दी बैरवा

तारा संस्थान द्वारा उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद व गाजियाबाद में तारा नेत्रालय संचालित किए जा रहे हैं। ये नेत्रालय विशेषकर उन रोगियों के लिए चलाए जा रहे हैं जो पैसे की तंगी के चलते मोतियाबिन्द का ऑपरेशन नहीं करा पाते। इन नेत्रालयों में ऐसे ही जरूरतमंद लोगों का ऑपरेशन बिलकुल ही मुफ्त में किया जाता है। ऑपरेशन सहित सभी व्यय दानदाताओं द्वारा वहन किए जाते हैं। आइए एक ऐसे ही जरूरतमंद लाभार्थी श्रीमती आनन्दी बैरवा से बातचीत के कुछ अंश पढ़ते हैं:

ऑपरेशन के पहले :

तारा		लाभार्थी
राम, राम, बाई जी क्या नाम है?	–	**राम राम, आनन्दी बैरवा।**
कितनी उम्र है?	–	**62 वर्ष**
आपके घर में कौन–कौन है?	–	**पति के अतिरिक्त 3 बेटे और बहुएँ हैं।**
क्या काम करते हैं आपके पति?	–	**वे नौकरी से रिटायर्ड हैं नगर पालिका से।**
आपकी आँख में क्या परेशानी हुई?	–	**थोड़ा-थोड़ा दर्द हुआ और तो डॉक्टर सा. ने चेक कर कहा कि मोतियाबिन्द है ऑपरेशन करवा लो। फिर कोरोना का प्रकोप चल गया, दो महीने आ नहीं पाए, फिर तारा अस्पताल से फोन आया कि अस्पताल खुल गया है। मेरा आज ऑपरेशन है।**
यहाँ पर जो आपकी जाँच आदि के कोई पैसे तो नहीं लगे?	–	**नहीं, नहीं, कोई खर्चा नहीं लगा।**
तो आज ऑपरेशन है। अच्छा दिखने लग जाएगा। फिर कल आकर हम आपसे फिर बात करेंगे	–	**आपको धन्यवाद।**

ऑपरेशन के पश्चात् :

तारा		लाभार्थी
कैसा दिख रहा है अब, पास या दूर अच्छा दिख रहा है?	–	**बढ़िया, बहुत बढ़िया दिख रहा है। दूर और पास दोनों अच्छा दिख रहा है।**
तो आप इस अस्पताल में कितने दिन रहे?	–	**2 दिन**
तो 2 दिन में खाने–पीने रहने आदि में कोई परेशानी तो नहीं हुई?	–	**कोई परेशानी नहीं आई। धन्यवाद!**
तो आपके ऑपरेशन के कोई पैसे खर्च तो नहीं हुए?	–	**कोई पैसा नहीं लगा।**
तो जिन्होंने आपके ऑपरेशन का खर्चा उठाया है उन दानदाताओं को आप क्या कहना चाहेंगे?	–	**खूब अच्छे रहो, खुश रहो, आपके बच्चे खूब फले फूलें। यही दुआ है।**

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

गौरी योजना :

आपकी मदद मेरे लिए बहुत मायने रखती है : श्रीमती सरोज अहलावत

लगभग 40 वर्षीया श्रीमती सरोज अहलावत अपने पति व स्कूल जाती पुत्री के साथ बहुत सुखमय जीवन व्यतीत कर रही थी। पति सब सुख सुविधाएँ मुहैया कर देते थे, कभी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी। पुत्री याद करके कहती है कि कैसे वह पापा के साथ मस्ती करती थी। खाना–पीना, घूमना फिरना, खूब आनन्द लेते हैं लेकिन एक रात अचानक कमरे में सिगरेट से लगी आग से जलकर उनकी मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु के पश्चात सरोज को अचानक अकेलेपन ने घर लिया। न ससुराल, न ही पीहर से कोई साथ या सहयोग मिला। उन्हें लगा कि उनकी सारी दुनिया ही उजड़ गई। सोचने लगी कि अब उसकी पुत्री व स्वयं का जीवन कैसे चलेगा। लेकिन फिर बच्ची की पढ़ाई करवाकर सक्षम बनाने की इच्छा शक्ति ने उनमें ऊर्जा का संचार किया और बड़े अस्पताल में नौकरी कर ली जिसकी तनख्वाह सिर्फ 6000 रु. अधिकतम मिलती, अगर कोई छुट्टी नहीं ली तो। कोरोना के लॉकडाउन के दौरान घर खर्च के पैसे कमाने की खाति 7–8 कि.मी. पैदल चल कर नौकरी पर जाती थी क्योंकि यातायात का कोई साधन नहीं था, लॉकडाउन के दौरान। फिर वह 3–4 बजे तक भूखी–प्यासी, बेहाल पैदल चल कर वापस घर लौटती थी। यह सब सरोज ने अपनी पुत्री की खातिर सहन किया क्योंकि अगर वह छुट्टी लेती तो पैसे कट जाते। अपनी साढ़े पाँच से छह हजार की सैलरी से ही उसे सारा घर और बच्ची की पढ़ाई आदि का खर्च निकालना था। बेचारी अकेली सरोज जीवन में भारी संघर्ष का सामना कर रही है ऐसी स्थिति में जब तारा संस्थान को उनकी खोज खबर लगी तो अपनी गौरी योजना के अन्तर्गत 2000/– रु. मासिक की सहायता शुरू की। इधर सरोज की पुत्री लगभग 15 वर्षीय खुशी भावुक होकर कहती है कि हालांकि उसकी मम्मी को बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है लेकिन जब वह बड़ी हो जाएगी तो माँ को सब सुख सुविधाएँ देगी, किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देगी। श्रीमती सरोज अहलावत तारा संस्थान का आभार जताते हुए कहती हैं कि आपकी मदद उनके लिए बहुत मायने रखती है। समस्त संस्थान व दानदाताओं को पुत्री व माता दोनों बहुत–बहुत धन्यवाद देते हैं।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

अब कम से कम दो जून रोटी का इंतजाम तो तारा संस्थान ने कर दिया है : श्रीमती अम्बा बाई

श्रीमती अम्बा बाई (45 वर्षीया) के पति रिक्शा चलाते थे। 15 वर्ष पहले एक दिन उनकी हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। इस हादसे के बाद घर परिवार और बच्चों की सारी जिम्मेदारी 23 वर्षीय अचानक अम्बा बाई पर आन पड़ी। किराए का घर है एक लड़का मानसिक रूप से विमंदित होकर इधर–उधर व्यर्थ घूमता रहता है। पुत्री (20 वर्ष) काम करने जाती है जिसको 5000/– रु. की तनख्वाह मिलती है। अम्बा बाई ने पति की मृत्यु के पश्चात् बच्चों का पालन–पोषण करने के लिए 5–7 घरों में कार्य शुरू किया। अब 15 वर्षा बाद वह स्वयं भी हार्ट पेंशट हो गयी है तो काम नहीं कर सकती 4000/– रु. तो हम माह दवाइयाँ में चले जाते हैं। अब बचे 1000/– रु. जिससे पूरा घर कैसे चलाएँ। रोज का रोज खाने का सामान खरीद करके खाना बनाते हैं। अम्बा बाई को सबसे बड़ी चिंता बेटी की शादी करवाने की है लेकिन कैसे? वह तो सब तरफ से लाचार है। कहती है कि भगवान ने कैसे–कैसे दुःख दे दिए हैं : कमाई नहीं, बेटा विमंदित और पुत्री की शादी का बोझ। पता नहीं चलता कि जीना है या मरना है। पीहर में भी कोई सक्षम नहीं कि मदद कर सके, भाई व भाभी दोनों मजदूरी करते हैं और मकान भी किराए का है। अब क्या करें? तारा संस्थान ने उन्हें तृप्ति योजना में शामिल करके मासिक राशन व रु. 300 नकद देना प्रारम्भ किया है जिससे उनका तनाव काफी कम हुआ है। अम्बा बाई कहती हैं कि अब कम से कम दो जून रोटी का इंतजाम तो तारा संस्थान ने कर दिया है। वह संस्थान को बहुत–बहुत धन्यवाद देती है।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

हमारे प्रेरक / दानदाता

श्री महावीर प्रसाद साहेवाल, नि. अहदाबाद (गुज.)

अहमदाबाद निवासी 77 वर्षीय श्री महावीर प्रसाद साहेवाल सा. व्यापारी व उद्योगपति हैं। श्री साहेवाल जी ने सन् 2014 में तारा संस्थान का दौरा किया तो अति प्रभावित होकर संस्थान के सेवा कार्यों से जुड़ गए। उन्हें तारा संस्थान के सभी प्रकल्पों के साथ आनन्द वृद्धाश्रम का सेवा कार्य अत्यन्त प्रभावी लगा तो उन्होंने स्वयं श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर हेतु भूमि सहयोग व एक कमरे के निर्माण में सहयोग प्रदान किया। श्री साहेवाल सा. जब जब भी तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों की जानकारी पाते हैं तो एक संतुष्टि के साथ–साथ मन भी प्रफुल्लित हो जाता है। जब उन्होंने आनन्द वृद्धाश्रम का दौरा कर वहाँ निवासरत बुजुर्गों से बात की तो प्रभावित होकर उन्होंने एक वृद्ध प्रतिवर्ष गोद सहयोग दिया। श्री महावीर प्रसाद कहते हैं कि उदयपुर यात्रा के दौरान उनका जन्मदिवस उत्सव जीवन पर्यन्त यादगार रहेगा। श्री महावीर प्रसाद साहेवाल समस्त दयाशील महानुभावों से अपील करते हैं कि तारा संस्थान के सेवा कार्यों में जुड़कर सहयोग अवश्य करें।

श्रीमती कमल जी कासलीवाल

70 वर्षीया श्रीमती कमल जी कासलीवाल मूलतः हाथरस (यू.पी.) से हैं। वे शिक्षक से सेवा निवृत्त होकर वर्तमान में जयपुर में निवासरत हैं। धार्मिक प्रवृत्ति वाली श्रीमती कमल जी तारा संस्थान के टी.वी. कार्यक्रम बड़े चाव से देखती थी। इसी क्रम में उन्होंने संस्थान से फोन पर सम्पर्क साधा तत्पश्चात संस्थान के सेवा कार्यों से जुड़ गई और संस्थान की बुजुर्गों, विधवाओं, गरीबों व जरूरतमंदों हेतु चलायमान प्रकल्प जैसे : आनन्द वृद्धाश्रम, तारा नेत्रालय, गौरी व तृप्ति योजनाओं से काफी प्रभावित हुई, विशेषकर कम उम्र विधवाओं हेतु संचालित गौरी योजना उनके दिल के करीब है। श्रीमती कमल का कहना है कि गरीब, असहाय विधवाओं हेतु सहयोग करना एक प्रकार से आशीर्वाद प्राप्ति का कार्य है। श्रीमती कासलीवाल का कहना है कभी तारा संस्थान के दौरे का संयोग नहीं बन पाया। फिर भी, विभिन्न माध्यमों से उन्हें संस्थान के कार्यों के बारे में जो भी जानकारी प्राप्त होती है उनसे वह पूर्णतः संतुष्ट हैं एवं तारीफ करती हैं। श्रीमती कमल जी कासलीवाल जन साधारण को संदेश देती हैं कि दुःख क्या होता है जब स्वयं महसूस करेंगे तो आप अपने अनावश्यक खर्चों में कटौती करके दीन–हीन की मदद अवश्य करेंगे।

(बाएं से दूसरे) श्री कमल सिंह जैन, नि. कुड्डालोर (तमिलनाडु) एवं परिवार

87 वर्षीय श्री कमल सिंह जैन, कुड्डालोर (तमिलनाडु) के निवासी हैं। श्री जैन पेश से सोने चाँदी के व्यापारी हैं एवं पूर्व में फाइनेंस का कार्य भी कर चुके हैं। श्री जैन को तारा संस्थान की जानकारी पत्रिका व टी.वी. शो के माध्यम से मिली और उन्होंने लगभग 3 वर्ष पूर्व संस्थान से फोन पर सम्पर्क किया एवं तारा संस्थान के मानव कल्याणकारी योजनाओं के कार्य में भागीदारी करने लगे। वैसे तो वे तारा संस्थान के सभी प्रकल्पों जैसे आनन्द वृद्धाश्रम, तारा नेत्रालय आदि से परिचित हैं परन्तु उन्हें विशेष रूप गौरी योजना का विचार अच्छा लगा कि किस प्रकार कम उम्र की विधवा महिलाओं एवं उनके बच्चों हेतु मदद पहुँचाई जा रही है। इस सिलसिले में पिछले दिनों में ही कमल सिंह जी ने तारा संस्थान, उदयपुर का दौरा किया एवं अनेक जरूरतमंद व्यक्तियों व विधवा महिलाओं से मिलकर उनकी समस्याओं और संस्थान द्वारा उनके निराकरण के सम्बंध में बातचीत की। इसके परिणाम रूप जब लोगों द्वारा तारा संस्थान के बारे में भूरी–भूरी प्रशंसा सुनी तो वे अति प्रसन्न हुए। श्री कमल सिंह जी का कहना है कि निर्धन, निःशक्त और जरूरतमंद लोगों की भलाई करना ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। वह समस्त करुणा हृदय दानवीरों से अपील करते है कि वे लोग अधिकाधिक संस्था में तारा के सेवा प्रकल्पों से जुड़ें क्योंकि संस्थान द्वारा बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किए जा रहे हैं।

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते है।

03.12.2020

दिनांक 3 दिसम्बर, 2020 को तारा नेत्रालय उदयपुर में रेटिना (आँखों के पर्दे) का निःशुल्क जांच शिविर रखा गया जिसमें अनेक जरूरतमंद लोगों को अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क जाँच कर परामर्श दिया गया। अगला निःशुल्क जाँच शिविर जनवरी प्रथम सप्ताह में 2021 को रखा गया है। कोई भी सज्जन जो आँखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित है वह निम्न नंबर पर संपर्क कर सकते हैं : 95493 99993, 96493 99993

21.11.2020

प्रयागराज स्थित रवींद्रनाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम की स्थापना के 4 वर्ष पूर्ण होने पर सजावट कर हर्षोत्स्व मनाया गया।

14.11.2020

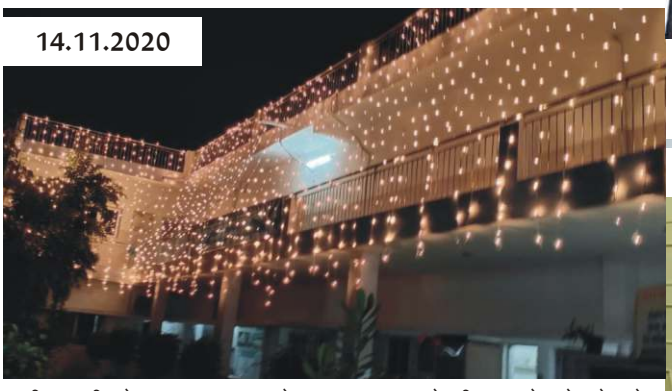

दीपावली के अवसर पर बच्चे क्या जवान बूढ़े भी पटाके फोड़ने को लालायित रहते हैं परन्तु इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते कई प्रदेशों में पटाकों पर प्रतिबंध लगा दिया लेकिन देश के विभिन्न भागों में तारा संस्थान संचालित वृद्धाश्रमों और नेत्रालयों में दीवाली मनाने का जुनून बरकरार था। जहां प्रतिबन्ध नहीं था वहां तो पटाके भी फोड़े लेकिन अन्य प्रदेशों में भवनों की सजावट करके दीवाली का आनंद उठाया।

04.11.2020

प्रयागराज स्थित रवीन्द्रनाथ गौर आनंद वृद्धाश्रम के आवासी बुजुर्ग दंपत्ति विलायती लाल सेठी बाबूजी और उषा सेठी आंटी जी ने करवा चौथ का व्रत रखा।

भारत में वृद्ध आबादी की वर्तमान स्थिति : भारत द्वारा सामना की जा रही सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 10.4 करोड़ वृद्ध जनसंख्या (60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के) निवास करती है। यह अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक भारत की लगभग 20% आबादी वृद्ध होगी, जो वर्तमान 8.6% से नाटकीय वृद्धि को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 60 वर्ष की आयु पूरी करने के पश्चात् कम से कम 18 वर्ष अधिक होने की सम्भावना व्यक्त की गयी है, जो निर्भरता अनुपात (डिपेंडेंसी रेशियो) में वृद्धि को दर्शाता है।

वृद्ध आबादी किसी देश के लिए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां प्रस्तुत करती हैं, जो निम्नलिखित हैं:

स्वास्थ्य देखभाल संबंधी चुनौतियाँ: बढ़ती वृद्ध आबादी के साथ रोग पैटर्न में संक्रमणीय रोगों से गैर–संक्रमणीय रोगों की ओर परिवर्तन होने की संभावना होती है, जो मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के पुनर्मूल्यांकन की मांग करता है।

सामाजिक असमानता: शहरी और ग्रामीण विभाजन के साथ वृद्ध एक विषम वर्ग का निर्माण करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सामाजिक–सांस्कृतिक आयामों के अनुसार उनकी जरूरतें भी अलग–अलग हैं।

सरकारी व्यय में वृद्धि: स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं, सुविधाओं और संसाधनों पर व्यय में वृद्धि के कारण वृद्ध व्यक्तियों की बढ़ती संख्या देश में स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक देखभाल प्रणालियों पर दबाव डालती है।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव: वृद्ध आबादी में वृद्धि के साथ सरकार का सामाजिक सुरक्षा संबंधी व्यय भी बढ़ता है, जैसे– पेंशन के रूप में बढ़ता व्यय। इसके अतिरिक्त, कार्यशील आयु के लोगों की कम संख्या, संकुचित कर आधार के साथ साथ कर संग्रहण में कमी को भी प्रदर्शित करती है।

एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति: इस बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, परिवारों में वृद्ध व्यक्तियों की उनकी कम गतिशीलता तथा कमजोरी व असमर्थता के कारण देखभाल करना भी कठिन हो जाता है।

<u>उपर्युक्त समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम</u>

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय:

केंद्रीय क्षेत्रक की 'वयोवृद्ध लोगों के लिए एकीकृत कार्यक्रम' (Integrated Programme for Older Persons : IPOP) योजना, जिसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके तथा उत्पादक और सक्रिय आयु में वृद्धि को प्रोत्साहित करके वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

"**राष्ट्रीय वयोश्री योजना**" का मुख्य उद्देश्य BPL श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों के लिए भौतिक सहायता और जीवन–यापन के लिए आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करना है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय: राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOPS) के अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम (National Programme for Health Care of the Elderly : NPHCE) प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य वृद्ध लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना है।

वित्त मंत्रालय का राजस्व विभाग: आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर छूट जैसे प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं। – प्रधान मंत्री वय वंदन योजना (PMVWY): वृद्धावस्था के दौरान सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बाजार की अनिश्चित स्थितियों के कारण उनकी ब्याज संबंधी आय में भविष्य में होने वाले गिरावट के विरुद्ध सुरक्षा के लिए यह योजना प्रारंभ की गयी है।

रेल मंत्रालय: रेलवे द्वारा वृद्धजनों के लिए समय–समय पर अनेक सुविधाओं की घोषणा की जाती है, साथ ही उनका विस्तार भी किया जाता है। इसमें सम्मिलित हैं– किराए में रियायत, निचले बर्थ पर सीट आरक्षण, अलग काउंटर की व्यवस्था इत्यादि।

गृह मंत्रालय: इसने सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को वृद्ध व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके विरुद्ध किसी भी उपेक्षा, दुर्व्यवहार और हिंसा के सभी स्वरूपों को समाप्त करने के लिए तत्काल उपाय करने के निर्देश जारी किए हैं।

भारत में वृद्ध लोगों की बढ़ती संख्या के साथ, भारत के पास अवसर है कि वह इन वृद्ध लोगों के अनुभवों और ज्ञान रूपी संपत्ति का उपयोग करने के लिए प्रभावी और लक्षित नीतियों को सूचीबद्ध करे। साथ ही इसके माध्यम से इस संभावित 'वृद्ध भार' (Elderly Burden) को 'दीर्घायु लाभांश' (Longevity Dividend) में परिवर्तित करने का प्रयास करे।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह नवम्बर – 2020 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सुधा जैन – श्री आनन्द जैन, दिल्ली

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Lt. Mr. Narendra Kumar Jain -
Mrs. Nirmal Jain, Delhi

Mr. Anil Jain - Mrs. Madhu Jain
Ludhiana (Punjab)

Lt. Mr. Sohan Lal Kothari
Mrs. Krishna Kumari Kothari, Udaipur

Mr. Dinesh - Mrs. Rajeshwari Mathur
Jaipur (Raj.)

Mr. Naresh Kumar - Mrs. Seeta Kumari Agrawal
Lucknow (UP)

Dr. Ramesh Parikh - Mrs. Gayatri Parikh
Jaipur (Raj.)

Dr. Pradeep Parab - Mrs. Usha Parab
Pune (MH)

Mr. Satpal Goyal
Patiala (Punjab)

Mrs. Kamala Devi Kochar
Kolkata

हार्दिक श्रद्धांजलि

डॉ. जे.आर. पुरी

जालन्धर, पंजाब

डॉ. जे. आर. पुरी सा. का दि. 14 अक्टूबर, 2020 को स्वर्गवास हो गया। (स्व.) डॉ. पुरी दयाशील हृदय व्यक्ति थे एवं तारा संस्थान की कल्याणकारी योजनाओं में भागीदार थे। पिछले वर्ष तारा संस्थान, उदयपुर के दौरे पर सपरिवार पधारे थे एवं 1 तृप्ति परिवार को आजीवन सहयोग का प्रण लिया था जिसे अब भी उनका परिवार निभा रहा है। डॉ. पुरी का निधन तारा संस्थान परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करने हेतु प्रार्थना करते है।

RAISE YOUR HAND and change a life

DONATE NOW

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height, Sec 8 Ramprastha Green Vaishali
Ghaziabad (U.P.) 201010, Mob. 8368658437, 9313363757

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461,
Gali No. 2, Shalimar Park,
Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society,
Plot No. 17, Sec-9, Dwarka,
New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra
WZ-1881, G Floor,
Multani Mohlla, Rani Bagh,
Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9971332943

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967 . . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.) 313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, दिसम्बर - 2020
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छितदिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु.,
03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)

'तारा' के सेवा प्रकल्पों
का कृपया टी.वी.
चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
रात्रि 8:00
से 8:20 बजे

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) ..... A/c No. 004501021965..... IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : SBIN0011406
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491..... IFSC Code : UTIB0000097
HDFC ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : HDFC0001273
Punjab Nationa Bank ..... A/c No. 8743000100004834 ..... IFSC Code : PUNB0874300
PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org